www.sgbauonline.com

AS–489

B.Sc. Part—II (Home Science) Semester—IV Examination

HUMAN DEVELOPMENT—4.3

Paper—243 HD 25

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

Note :— (1) Solve **ALL** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Write in short :—

   1.1. Importance of early childhood education.

   1.2. Need of early childhood education.

   1.3. Balwadi.

   1.4. Tarabai Modak. 8

2. Write the importance of arts and craft activities in pre-school education.

OR

Explain the activities of music and sciene in pre-school education. 8

3. Write in short :—

   3.1. Songs and stories

   3.2. Dramatization

   3.3. Creative activities

   3.4. Care of play equipment. 8

4. Discuss the need of guidance for parents in pre-school.

OR

Write the importance of workshop and demonstration in pre-school education. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

5. Write True or False :

5.1. Parental over protection develops dependency in children.

5.2. Psychology is not useful in criminal field.

5.3. Psychology is useful in industrial area.

5.4. Over protected children can not take proper decision.

5.5. If the parent-child relation is good, child can not develop its personality better.

5.6. In the field of child psychology, experiments are made on study of the child in a controlled situation.

5.7. Educational psychology means study of human behaviour in educational situation.

5.8. Parental rejection does not develop inferiority complex in children. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AS–489

B.Sc. Part—II (Home Science) Semester—IV Examination

HUMAN DEVELOPMENT—4.3

Paper—243 HD 25

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

(मराठी माध्यम)

सूचना :— (1) सर्व प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. थोडक्यात लिहा :—

   1.1. पूर्व प्राथमीक शिक्षणाचे महत्व.

   1.2. पूर्व प्राथमीक शिक्षणाची गरज.

   1.3. बालवाडी.

   1.4. ताराबाई मोडक. 8

2. पूर्व प्राथमीक शिक्षणात कला आणि हस्तकला क्रियेचे महत्व लिहा.

   किंवा

   पूर्व प्राथमीक शिक्षणात संगीत आणि विज्ञान या क्रिया स्पष्ट करा. 8

3. थोडक्यात लिहा :—

   3.1. गाणे व गोष्टी.

   3.2. नाटचीकरण.

   3.3. सर्जनशील क्रिया.

   3.4. खेळव्याच्या साधनाची काळजी. 8

4. पूर्व प्राथमिक शाळेत पालकांना मार्गदर्शनाची गरज स्पष्ट करा.

   किंवा

   पूर्व प्राथमीक शिक्षणात कार्यशाळा आणि प्रात्यक्षिकाचे (Demonstration) महत्त्व लिहा. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

5. खरे खोटे लिहा :—

5.1. पालकाच्या अतीसंरक्षणामुळे मुलांमधे परावलंबन निर्माण होते.

5.2. मानसशास्त्र गुन्हेगारी क्षेत्रात उपयोगी नाही.

5.3. औद्योगीक क्षेत्रात मानसशास्त्राचा उपयोग होतो.

5.4. अतीसंरक्षीत मुले योग्य निर्णय घेवू शकत नाही.

5.5. पालक बालक संबंध जर चांगले असतील तर मुले आपले व्यक्तिमत्व चांगले विकसीत करू शकत नाही.

5.6. बालमानसशास्त्राच्या क्षेत्रात बालकाचा अभ्यास हा प्रायोगीक पद्धतीने नियंत्रीत परिस्थितीत केला जातो.

5.7. शैक्षणीक मानसशास्त्र म्हणजे शैक्षणीक परिस्थितीत मानवाच्या वर्तनाचा अभ्यास होय.

5.8. पालकाच्या नकारात्मक वागणूकीमुळे बालकामधे न्युनगंडाची भावना निर्माण होत नाही. 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AS–489

B.Sc. Part—II (Home Science) Semester—IV Examination

HUMAN DEVELOPMENT—4.3

Paper—243 HD 25

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 40

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :— (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों को समान गुण हैं।

1. संक्षेप में लिखिए :—

1.1. पूर्व शालेय शिक्षा का महत्व।

1.2. पूर्व शालेय शिक्षा की आवश्यकता।

1.3. बालवाड़ी।

1.4. ताराबाई मोडक। 8

2. पूर्व शालेय शिक्षा में कला और हस्तकला क्रियाओं का महत्व लिखिए।

अथवा

पूर्व प्राथमिक शिक्षा में संगीत और विज्ञान यह क्रिया स्पष्ट कीजिये। 8

3. संक्षेप में लिखिये :—

3.1. गाने और कथाएं।

3.2. नाट्यीकरण (Dramatization)।

3.3. सृजनशील क्रियाएं।

3.4. खेल के सामग्री की देखभाल। 8

4. पूर्व शाला में पालकों के मार्गदर्शन की गरज स्पष्ट कीजिये।

अथवा

पूर्व शालेय शिक्षा में कार्यशाला और प्रात्यक्षिक का महत्व लिखिए। 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

5. सच और झूठ लिखिये :—

5.1. पालकों के अतिसंरक्षण के कारण बच्चों में परावलंबन निर्माण होता है।

5.2. मानसशास्त्र गुन्हेगारी क्षेत्र में उपयुक्त नहीं है।

5.3. औद्योगिक क्षेत्र में मानसशास्त्र का उपयोग होता है।

5.4. अतिसंरक्षित बच्चे योग्य निर्णय नहीं ले पाते।

5.5. पालक बालक संबंध योग्य होने पर बच्चे अपना व्यक्तिमत्व विकास अच्छे से विकसित नहीं कर पाते।

5.6. बाल मानसशास्त्र के क्षेत्र में बालकों का अभ्यास यह प्रायोगिक तत्व पर नियंत्रित परिस्थिति में होता है।

5.7. शैक्षणिक मानसशास्त्र याने शैक्षणिक वातावरण में मानव के व्यवहार का अध्ययन है।

5.8. पालक के नकारात्मक व्यवहार के कारण बालकों में न्यूनगंडकी भावना निर्माण नहीं होती।

8

www.sgbauonline.com